operations out of the crops of Calamity Relief Fund allocated to the States.

(b) No, Sir.

जोत के अन्तर्गत अतिरिक्त भूमि

1857. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**

डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कृषि विशेषज्ञों ने खाद्यान्नों के संबंध में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आगामी दशक में 580 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि की जोत के अंतर्गत लाने की सिफारिश की है ;

(ख) यदि हां, तो क्या आगामी दशक के दौरान इस अतिरिक्त भूमि को कृषि करने योग्य बनाने के लिए सरकार ने कोई योजना तैयार की है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या इस परती भूमि को कृषि योग्य बनाने के लिए सरकार ने विगत वर्षों में कोई कदम उठाए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो देश में 1990 के वर्ष के अंत में परती भूमि का कुल क्षेत्र, राज्यवार तथा क्षेत्रवार, कितना-कितना था ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) सरकार को कृषि विशेषज्ञों की इस प्रकार की सिफारिशों की जानकारी नहीं है।

(ख) और (ग) ये प्रश्न नहीं उठता।

(घ) जी, हां ।

(ङ) 1987–88 के अंत तक के राज्य-वार ब्यौरे संलग्न विवरण में दिये गये हैं।

विवरण

परती भूमि के राज्यवार ब्यौरे (1987–88)

(क्षेत्र हजार हैक्टेयर में)

क्रम सं०	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	परती भूमि		
		हाल में परती हुयी भूमि के अलावा अन्य परती भूमि	हाल की परती भूमि	कुल
1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	1451	3190	4641
2	अरूणाचल प्रदेश	57	23	80
3	असम	84	88	172
4	बिहार	1082	1978	3060
5	गोवा	(एम०)	(एम०)	(एम०)
6	गुजरात	43	937	980
7	हरियाणा	5	528	533
8	हिमाचल प्रदेश	17	45	62
9	जम्मू व कश्मीर	7	91	98
10	कर्नाटक	417	942	1359

1	2	3	4	5
11	केरल	29	48	77
12	मध्य प्रदेश	886	829	1715
13	महाराष्ट्र	1287	570	1857
14	मणिपुर	—	(क)	(क)
15	मेघालय	261	51	312
16	मिजोरम	259	183	442
17	नागालैंड	105	101	206
18	उड़ीसा	321	620	941
19	पंजाब	(क)	78	78
20	राजस्थान	3006	5140	8146
21	सिक्किम	9	4	13
22	तमिलनाडु	849	1361	2210
23	त्रिपुरा	1	2	3
24	उत्तर प्रदेश	856	1195	2051
25	पश्चिम बंगाल	86	457	543
26	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	3	1	4
27	चंडीगढ़	(क)	—	(क)
28	दादरा तथा नागर हवेली	(क)	1	1
29	दमन और दीव	(एम0)	(एम0)	(एम0)
30	दिल्ली	12	4	16
31	लक्षद्वीप	—	—	—
32	पांडिचेरी	1	4	5
	अखिल भारत	11134	18471	29605

(क) 500 हैक्टेयर से कम

(एम०) ब्यौरे अलग से उपलब्ध नहीं हैं। कृषि योग्य बंजर भूमि के तहत शामिल किया गया है।

इस्पात का निर्यात

1858. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि "स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड" ने 1990-91 के वर्ष में इस्पात के निर्यात का लक्ष्य हासिल कर लिया है ;

(ख) यदि हां, तो इस वर्ष के दौरान में इस्पात की कितनी मात्रा का निर्यात किया गया, और

(ग) 1990-91 के वर्ष में "स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड" के अन्तर्गत इस्पात का उत्पादन करने वाली संस्थाओं ने कितनी मात्रा में बिक्री योग्य इस्पात का उत्पादन किया, और उनकी इस्पात-उत्पादन क्षमता कितनी थी और क्या यह उत्पादन उनकी प्रतिष्ठापित क्षमता के अनुरूप था, यदि नहीं, तो उनकी क्षमता की तुलना में यह उत्पादन कितना कम था ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री संतोष मोहन देव) : (क) और (ख) जी, नहीं। तथापि,